Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-CT-101

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December– 2022

M.A. Darshan, Semester : First
दर्शन : प्रश्न-पत्र : प्रथम
वैदिक साहित्य एवं सांख्य-योग - 1

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. प्रणवजप और प्रणवार्थ का चिन्तन के विभिनन लाभों को पूर्वपरप्रसंगानुकुल व्याख्या करें।
2. योग के पारिभाषिक स्वरूप तथा तद्वारा प्राप्त फल का वर्णन समाधिपाद के व्यासभाष्यानुसार प्रस्तुत करें।
3. शरीर से भिन्न पुरुष के अस्तित्व का प्रतिपादन में महर्षि कपिल के द्वारा प्रदत्त युक्तियों का उपस्थापन करें।
4. पुरुषार्थ और अत्यन्त पुरुषार्थ का पृथक स्वरूप महर्षि कपिल के साख्यदर्शन के अनुसार वर्णन करें।
5. वैदिक सिद्धान्त के अनुसार बहुदेवतावाद की असारता तथा अप्रामाणिकता की विश्लेषणात्मक व्याख्या करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. योगदर्शन के अनुसार निर्दिष्ट 'परिकर्म' की भाष्यासम्मत व्याख्या करें।
7. निरतिशय सर्वज्ञबीज का भावार्थ भाष्यसम्मत तर्क विवरण के साथ उल्लेख करें।
8. योगदर्शन तथा भाष्यानुसार अलिङ्ग पर्यन्त सूक्ष्मविषयता का वर्णन प्रस्तुत करें।
9. 'निर्विचारवैशारद्येऽध्यात्मप्रसादः' सूत्र की व्याख्या सूत्रभाष्यानुसार करें।
10. "तस्यापि निरोधे सर्वनिरोधान्निर्बीजः समाधिः" की व्याख्या करें।
11. ईश्वर के साश्वतिक उत्कर्ष तथा आत्मा के कैवल्य में अन्तर क्या है? भाष्यानुसार प्रस्तुत करें।
12. "असंगोऽयं पुरुषः" सूत्र की व्याख्या प्रस्तुत करें।

----------X----------